/

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) अलवर

अपील संख्या	रजिस्टर्ड नम्बर	प्रवेश तिथि	निर्णय दिनांक
16 / 26 / 2025	2025 / 8	08.01.2025	26.03.2025

1. सरकार जरिये तहसीलदार अलवर, जिला अलवर राज०।

—प्रार्थी

बनाम

1. छतूमल पुत्र गुरदासमल जाति खत्री निवासी ग्राम कारोली, तहसील व जिला अलवर ।

—अप्रार्थी

अपील प्रार्थना पत्र जेर नियम 14 (4) भू—आवंटन नियम, 1970

उपस्थितः—

01—श्री दीपक मीणा, राजकीय अभिभाषक —वकील प्रार्थी

—निर्णयः—

तहसीलदार अलवर ने जरिये राजकीय अभिभाषक यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—14 (4) भूमि आवंटन आदेश जिसके द्वारा अप्रार्थी के पक्ष में ग्राम कारोली तहसील अलवर की आराजी खसरा न0 179 / 3546 रकबा 0.08 है0 भूमि का आंवटन किया गया, से व्यथित होकर प्रस्तुत की गई है। प्रार्थना पत्र 14 (4) दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को जरिये कोर्ट नोटिस तलब किया गया एवं अधीनस्थ अदालत का रिकॉर्ड तलब किया गया।

विद्वान राजकीय अभिभाषक प्रार्थी ने अपनी बहस में प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया है कि आराजी खसरा न0 179 / 3546 रकबा 0.08 है0 भूमि वाके ग्राम कारोली तहसील व जिला अलवर 1970 के बाद अप्रार्थी को वास्ते कृषि कार्य के लिए आवंटन किया गया था। अप्रार्थी द्वारा उपरोक्त भूमि आवंटन होने के बाद आवंटन की शर्तो के मुताबिक अप्रार्थी द्वारा उसकी पालना नहीं की गई है ना ही आवंटी का आवंटन के समय कब्जा रहा है। जिस बाबत पटवारी हल्का चिकानी की रिपोर्ट दिनांक 12.11.2024 से स्पष्ट रूप से जाहिर व साबित है की कि मौके पर अप्रार्थी का कोई कब्जा काश्त नही है। तथा ना मौके पर फसल पाई गई। अप्रार्थी द्वारा उक्त भूमि को आवंटन होने के बाद काम मे नहीं लिया गया है। जिससे अप्रार्थी द्वारा राज. कृषि भूमि आवंटन नियम 1970 के नियम 14(4) के तहत निरस्त किया जाना अति आवश्यक है। पटवारी हल्का रिपोर्ट प्रार्थना पत्र के साथ सलग्न है।

प्रार्थना पत्र न्यायलय श्रीमान के सुनने योग्य है। अतः श्रीमान की सेवा में यह प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है की आवंटन 1970 के बाद जो आवंटन अप्रार्थी को आराजी खसरा न0 179 / 3546 रकबा 0.08 है0 भूमि वाके ग्राम कोरोली किया गया था, उसे निरस्त फरमाया जावे। श्रीमान की अति कृपा होगी।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया एवं राजकीय अभिभाषक की बहस पर मनन किया। प्रार्थी द्वारा मुख्य कथन किया गया है कि विवादित आवंटित उक्त आराजी पर अप्रार्थी का कभी कोई कब्जा व काश्त नहीं होने तथा मौका जॉच किये बिना अप्रार्थी को उक्त आराजी आवंटित कर दी गई। आराजी खसरा न0 179 / 3546 रकबा 0.08 है0 भूमि वाके ग्राम कारोली तहसील व जिला अलवर अप्रार्थी को वास्ते कृषि कार्य के लिए आवंटन किया गया था। पटवारी हल्का चिकानी की रिपोर्ट के अनुसार आराजी खसरा न0 179 / 3546 रकबा 0.08 है0

अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम)
अलवर (राज०)

भूमि वाके ग्राम कारोली तहसील व जिला अलवर के राजरव रिकॉर्ड में अप्रार्थी छत्तूमल पुत्र गुरदासमल हि. पूर्ण जाति खत्री सा0 देह गैर खातेदार अलोटी दर्ज रिकॉर्ड है। अप्रार्थी द्वारा उपरोक्त भूमि आवंटन होने के बाद आवंटन की शर्तों के मुताविक अप्रार्थी द्वारा उसकी पालना नहीं की गई है ना ही आवंटी का आवंटन के समय से कब्जा रहा है। पटवारी हल्का चिकानी की रिपोर्ट दिनांक 12.11.2024 से स्पष्ट रूप है कि उक्त आराजी पर मौके पर अप्रार्थी का कोई कब्जा काश्त नहीं है। मुताबिक पटवारी रिपोर्ट मौके पर उक्त आराजी पर गैर खातेदार (अप्रार्थी) का कब्जा नहीं रहा है तथा मौके पर अन्य दीगर व्यक्तियों द्वारा उक्त आराजी पर कई वर्षो से काश्त की जा रही है। मुताबिक पटवारी रिपोर्ट मौके पर उपस्थित ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि गैर खातेदार (अप्रार्थी) छत्तूमल पुत्र गुरूदासमल अन्यत्र पलायन कर गया है तथा उसके परिवार का कोई भी सदस्य प0म0 कारोली में निवास नहीं करता है। उपस्थित ग्रामवासियों ने बताया कि उक्त आराजी पर दीगर व्यक्तियों द्वारा काश्त किया जा रहा है। पत्रावली में संलग्न तामील में तामली कुलिन्दा द्वारा अंकित किया गया है कि मौजूद व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि अप्रार्थी छत्तूमल पुत्र गुरूदासमल पहले रहता था, अब नहीं रहता है तथा छत्तूमल की मृत्यु सन् 1980 में हो गई है। इससे स्पष्ट है कि अप्रार्थी द्वारा उक्त भूमि को आवंटन होने के बाद काम में नहीं लिया गया है। अप्रार्थी द्वारा राजस्थान कृषि भूमि आवंटन नियम 1970 के नियमों की पालना नहीं की गई है। प्रार्थी का प्रार्थना–पत्र नियम 14(4) भू0आवंटन नियम 1970 स्वीकार योग्य है। अधीनस्थ न्यायालय का आवंटन आदेश निरस्त योग्य है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना–पत्र नियम 14(4) भू0आवंटन नियम 1970 स्वीकार किया जाता है एवं अप्रार्थी को आवंटित की गई उक्त आराजी खसरा न0 179/3546 रकबा 0.08 है0 भूमि वाके ग्राम कारोली तहसील व जिला अलवर के आवंटन आदेश को निरस्त किया जाता है। निर्णय की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील जमा लेख भण्डार हो।

निर्णय आज दिनांक 26.03.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(मुकेश कुमार कायथवाल)
अति0 जिला कलक्टर (प्रथम)
अलवर, (राज0)